आए थे जग में बांटने ब्रह्म ज्ञान गुरबचन।
ब्रह्मज्ञानी संत थे बड़े महान गुरबचन ।

उन पर जन्म से पहले ही ऐसा करम हुआ।
मां बुध्वंती अवतार जी के घर जन्म हुआ।
बचपन से ही निरंकारी मिशन में पले थे वो।
गुण सन्तो जैसे ले के ही फूले फले थे वो।
ऐसे माहौल में हुए जवान गुरबचन, ब्रह्मज्ञानी संत थे....

संतों की सेवा करते हुए हिंद में आए ।
कुलवंत संग गुरबचन जी गए थे ब्याहे।
दोनों ने मिलकर दुनिया में ये मिशन फैलाया।
हर आदमी इस मिशन में फिर दौड़ता आया ।
निरंकारी मिशन की बने पहचान गुरबचन, ब्रह्मज्ञानी संत थे...

फरमान किया शादियां सादा सभी करें ।
यूं ही फिज़ूल खर्च ना जादा सभी करें।
जब देखा नशे में हजारों डूब रहे घर ।
करवा के नशा बन्दी सुखी किया हर बशर।
थे 'बाबू विजय' दाता का वरदान गुरबचन, ब्रह्मज्ञानी संत थे.....

तर्जः तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा....